तापमान

अधिकतम 29.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि- कांकेर भूमि

रायपुर, बुधवार, 29 अक्टूबर 2025

[भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा]

14 गोंड महासभा : केंद्रीय कार्यकारिणी का गठन...

14 धान गिरदावरी में त्रुटियों के निराकरण...

खबर संक्षेप

गोपाष्टमी महोत्सव की तैयारी को लेकर चलाया सफाई अभियान

दुर्गुकोंदल। ग्राम हाटकोंदल में गोपाष्टमी महोत्सव की तैयारियों के तहत ग्रामीणों ने मंगलवार को सफाई अभियान चलाया। यादव समाज भवन से गुजरने वाली सड़कों की साफ-सफाई की गई और गाँव की गलियों तथा मुख्य मार्गों पर उगे घास और कचरे को हटाया गया। इस सामूहिक प्रयास से पूरा गाँव स्वच्छ और सुंदर दिख रहा है, जिससे गोपाष्टमी पर्व को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। समाज के लोगों ने स्वच्छता के प्रति जागरुकता का संदेश देते हुए बताया कि गोपाष्टमी महोत्सव धार्मिक आस्था का भी प्रतीक है।

नवपदस्थ खंड शिक्षा अधिकारी ने संभाला कार्य गुणवत्ता पर देंगे जोर

भानुप्रतापपुर। नवपदस्थ प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी क्षमा सोनेल ने खंड शिक्षा अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया है, वहीं खंड स्त्रोत समन्वयक के स्टाफ द्वारा स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मुझे भानुप्रतापपुर ब्लॉक की शैक्षिक व्यवस्था का नेतृत्व करने का अवसर मिला है। मेरी प्राथमिकता होगी कि ब्लॉक के सभी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए और छात्रों को बेहतर सीखने का माहौल प्रदान किया जाए। स्वागत में बीआरसी राधेलाल नुरुटी, एबीईओ मुकेश सोनवानी, नितेश कोड़ोपी, रमेश पोया, सुरेश पटेल, रवि नेताम, प्रवीण रामटेके, द्रोण नेताम एवं समस्त कार्यालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

मृत बछड़े का लाइफ सेवियर्स फाउंडेशन ने किया अंतिम संस्कार

भानुप्रतापपुर। तहसील कार्यालय के सामने एक बछड़े के मौत हो जाने की जानकारी मिलने पर लाइफ सेवियर्स फाउंडेशन भानुप्रतापपुर की टीम तत्काल मौके पर पहुँची। संस्था के कार्यकर्ताओं ने मृत बछड़े का विधिवत अंतिम संस्कार किया। संस्था के सदस्यों ने बताया कि सड़क किनारे मृत पशुओं को यूं ही पड़े देखना अमानवीय है। हर जीव का सम्मान होना चाहिए, चाहे वह पशु ही क्यों न हो। इस दौरान मुख्य रूप से प्रेम शर्मा, संजय साहू, इंद्रजीत सिंहा, अंकुर दास व अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

वाल्मीकि कालेज की महिला वॉलीबॉल टीम का गठन

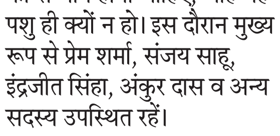

भानुप्रतापपुर। आगामी सेक्टर स्तरीय महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सहभागिता के लिए शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर की महिला वॉलीबॉल टीम का गठन किया गया है। यह प्रतियोगिता शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारायणपुर में 29 से 30 अक्टूबर तक आयोजित होगी। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रश्मि सिंह ने कहा कि छात्राएँ खेल भावना एवं अनुशासन के साथ खेलें और महाविद्यालय का नाम रोशन करें। क्रीड़ा अधिकारी चेतन कुमार श्रीवास ने खिलाड़ियों से कहा कि मेहनत, एकता और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।

स्पर्धा : उप मुख्यमंत्री ने कांकेर विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक का किया शुभारंभ

बस्तर ओलंपिक से बस्तर के होनहार युवाओं को खेल प्रतिभा निखारने का मिल रहा अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

- गोविंदपुर खेल मैदान में शेड निर्माण के लिए की 25 लाख की घोषणा

बस्तर ओलंपिक में बस्तर के होनहार युवाओं को खेल प्रतिभा निखारने का मौका मिल रहा है, बस्तर की प्रतिभाओं को आगे आने का मौका बस्तर ओलंपिक के माध्यम से मिल रहा है। सरकार ने बस्तर के युवाओं को आगे लाने के लिए कई प्रयास करने में जुटी हुई है। उक्त बातें प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री अरूण साव ने कांकेर विकासखंडस्तरीय बस्तर ओलंपिक खेल का शुभारंभ करते हुए कही।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में 28 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे गोविंदपुर के खेल मैदान में आयोजित विकासखण्ड स्तरीय बस्तर ओलंपिक प्रतियोगिता का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री अरूण साव के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बस्तर के प्रतिभाशाली युवक-युवतियों को समुचित प्लेटफॉर्म मुहैया कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने पिछले वर्ष से बस्तर ओलंपिक का आगाज किया है, जिसकी ख्याति राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिल चुकी है। इसकी सफलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गत वर्ष 01 लाख 65 हजार युवक-युवतियों ने अपना पंजीयन कराया था, जबकि इस वर्ष रिकॉर्ड 03 लाख 91 हजार खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। उप मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बस्तर संभाग के खिलाड़ियों की अपनी विशिष्ट पहचान है, क्योंकि कि वे अनुशासित होकर टीम भावना से अपनी खेल प्रतिभाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले में खेल सुविधाओं और विकास के लिए पूर्व में ही लगभग 08 करोड़ रूपए के विभिन्न कार्यों की ▶▶ शेष पेज 12 पर

खेल ध्वज को फहराकर किया शुभारंभ

उपमुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री ने सभी अतिथियों की उपस्थिति में विकासखण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के शुभारंभ की घोषणा की तथा खेल ध्वज फहराया। इसके उपरांत खेल मैदान में तीरंदाजी पर हाथ जमाए, रिले रेस, व्हालीबॉल के खिलाड़ियों से भेंट कर उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं तथा श्रेष्ठ प्रदर्शन करने और जिला व संभाग स्तरीय खेलों में जीत हासिल करने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

सकारात्मक वातावरण हो रहा निर्मित

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में पखांजूर से लेकर नरहरपुर तक विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं का सकारात्मक वातावरण निर्मित हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बस्तर संभाग के हुनरमंद खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए पिछले साल से बस्तर ओलंपिक शुरू किया, जो आज वृहद रूप ले चुका है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने जिले में खेल गतिविधियों तथा जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी।

अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने किया स्वागत

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरूण साव का स्थानीय विश्राम गृह में कांकेर विधायक आशाराम नेताम, कलेक्टर नीलेश क्षीरसागर एवं एसएसपी इंदिरा कल्याण एलिसेला ने पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया तथा जिले में प्रशासनिक गतिविधियों के संबंध में अवगत कराया। साथ ही उन्हें पुलिस जवानों के द्वारा 'गॉर्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। स्वागत में भाजपा के जिलाध्यक्ष महेश जैन के अलावा समस्त पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, नगरपालिका अध्यक्ष अरूण कौशिक, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष तारा ठाकुर सहित संचालक खेल एवं युवा कल्याण तनुजा सलाम, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी के अलावा पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

जंगलों से पेड़ों और बासों की हो रही अंधाधुंध कटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पखांजुर

- कार्रवाई नहीं होने से तस्करों के हौंसले बुलंद

वन परिक्षेत्र कापसी अंतर्गत गोंडाहूर के जंगलों में हरे वृक्षों एव बंस की कटाई का धंधा जोरो से फल फूल रहा है। तस्कर दीपाली की छुट्टी का भरपूर फायदा उठाते नजर आ रहे है। गोंडाहूर क्षेत्र के जंगलों से रोजाना ट्रैक्टर-ट्रॉलियां में अवैध रूप से परिवहन करके जंगल से खुलेआम दिनदहाड़े बांस ला रहे हैं। यह नजारा कभी भी देखा जा सकता है।

गोंडाहूर में शनिवार को दिन दहाड़े एक ट्रैक्टर ट्राली बेधड़क अवैध बांस भरकर परिवहन करते दिखाई दिया। रोक टोक के संबंध में पूछने पर ट्रेक्टर चालक ने कहा ग्राम पंचायत का है और हम न तो वन विभाग ने रोका और न ही किसीने अभी पूछा। हमें तो जब पंचायत वाले बोलते है, तब ले आते है। कौन से पंचायत का है बांस तो बोलता है सामने है गोंडाहूर क्षेत्र में चार पांच पंचायत है, किसको पूछे। देखना होगा इस खबर से वन विभाग के अधिकारी संज्ञान लेते है या फिर तस्कर जंगलों की बेखौफ कटाई करते रहते है। परिवहन के दौरान किसी प्रकार की कोई रोका टोकी नहीं होना वन विभाग के कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते है। सरकार द्वारा दिए गए प्रधानमंत्री आवास ▶▶ शेष पेज 12 पर

नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी

कापसी रेंजर देवदत्त तारम ने बताया कि जंगल की रक्षा के लिए वन प्रबंधन समिति बनाई गई है। लोगों को जंगल की कटाई न करने के लिए लगातार जागरूक किया जाता है। क्षेत्र में लगातार निगरानी किया जाता है, ट्रैक्टर से परिवहन करने वाले की पहचान कर, नियमानुसार कार्यवाही किया जाएगा। इस मामले में वन विभाग के गोंडाहूर डिप्टी रेंजर से बात करना चाहा, परंतु उन्होंने फोन नहीं उठाया।

झिटकाटोला में रोजगार, मूलभूत सुविधाओं और विकास की मांग पर अड़े ग्रामवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्गुकोंदल

- धरना प्रदर्शन का 10 वां दिन

विकासखंड दुर्गुकोंदल अंतर्गत ग्राम पंचायत झिटकाटोला में कलवर माइंस प्रबंधन के खिलाफ ग्रामीणों द्वारा चलाया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन दसवें दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने माइंस प्रबंधन पर आरोप लगाया है कि वर्षों से क्षेत्र की भूमि, वन और जल संसाधनों का दोहन किया जा रहा है, लेकिन इसके बदले गांव के विकास, मूलभूत सुविधाओं और रोजगार को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई।

ग्रामीणों का कहना है कि माइंस संचालन के दौरान गांव के रास्ते, पर्यावरण और खेतों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के बजाय बाहरी लोगों को नौकरी पर रखे जाने से गांव के बेरोजगार युवाओं में भारी नाराजगी व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों का कहना है हमने अपनी जमीन दी, जंगल-पर्यावरण को खोया, लेकिन बदले में मिला सिर्फ भरोसा और अधूरे वादे। अब वादों से पेट नहीं भरता। ग्रामवासियों की प्रमुख मांगों में माइंस में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के साथ रोजगार प्रदान किया जाए, गांव की खराब सड़कों की तत्काल मरम्मत की जाए, उप-स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना एवं दवाओं/स्टाफ की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और विद्युत आपूर्ति की समस्या का समाधान, गांव में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए। प्रदर्शन में शामिल ग्रामीण महिलाओं ने कहा कि माइंस ने उनकी जमीन और जीवनशैली को प्रभावित किया है, लेकिन बदले में गांव को कोई लाभ नहीं मिला। उन्होंने कहा हमारे बच्चों का भविष्य अंधेरे में है। अब हम अपने हकों के लिए पीछे नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो वे माइंस का गेट पूरी तरह ▶▶ शेष पेज 12 पर

कंपनी किसानों के रकबा अनुसार काटती है बीमा राशि, सर्वे करने खेत में नहीं आते

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बासनवाही

- सर्वे प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। किसानों का कहना है कि उनके खातों से बिना पूछे हर साल बीमा की राशि काट ली जाती है। लेकिन जब फसल नुकसान का समय आता है तो बीमा कंपनियाँ जमीन पर उतरने को तैयार नहीं होतीं। इस वर्ष अधिक वर्षा से किसानों के धान के फसल पूरी तरह से जमीन में गिर चुका है। जिसके कारण कीटब्याधि का प्रकोप बढ़ने के कारण पूरी फसल नष्ट हो गया है। बीमा कंपनी का कोई अतापता नहीं है। किसानों ने आरोप लगाया कि कंपनियाँ केवल दिखावे के लिए दो-चार गाँवों में सर्वे कर एक रिपोर्ट बना देती हैं और उसी के आधार पर पूरे ब्लॉक या जिले को आंकलित मान लिया जाता है। ऐसे में जिन किसानों की फसलें बुरी तरह नष्ट हो जाती हैं, उन्हें भी मुआवज़ा नहीं मिल पाता। किसान के नाम से जब बीमा है, तो सर्वे करने किसान के खेत में क्यों नहीं आते है। बासनवाही के किसान संदीप द्विवेदी ने कहा कि हमारे खाते से हर साल बीमा के लिए पैसा काट लेते हैं, पर जब फसल बर्बाद होती है तो कोई देखने नहीं आता। बीमा अगर मेरे नाम से है, तो नुकसान का आंकलन भी मेरे खेत में होना चाहिए। मावलीपारा के कृषक सियाराम कोसमा ने बताया कि इस साल बारिश और कीटों से धान की फसल चौपट हो गई, पर कंपनी के अधिकारी गाँव तक नहीं पहुँचे। कागजों में तो राहत दिखाते हैं, लेकिन जमीन पर हालात कुछ और ही हैं। किसान लोकनाथ साहू ने कहा बीमा राशि किसानों की मेहनत की गाढ़ी कमाई से जाती है। कंपनियों को चाहिए कि वे हर खेत में जाकर नुकसान का सही आंकलन करें, औसत रिपोर्ट बनाकर न निपटाएं। क्षेत्र के किसानों ने कहा कि फसल नुकसान का सर्वे खेत-खेत जाकर किया जाए। सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। किसानों की अनुमति के बिना बीमा प्रीमियम न काटा जाए। आंकलन में कृषि विभाग और ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। स्थानीय किसान संगठनों का कहना है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों की सुरक्षा के लिए लाई गई थी, लेकिन अब इसका ज़्यादा फायदा बीमा कंपनियों को हो रहा है।

जल्द कार्रवाई न हुई तो करेंगे विरोध

बासनवाही क्षेत्र के किसान लोकनाथ साहू, महेश जैन, भुवन भारती, कोमल साहू, सुकचंद ध्रुव, घासु कश्यप ने चेतावनी दिया है कि यदि बीमा सर्वे प्रक्रिया पारदर्शी नहीं हुई, तो वे सामूहिक आंदोलन करेंगे। किसानों का कहना है कि सरकार ने अगर ध्यान नहीं दिया, तो अगले सीजन में हम बीमा राशि कटवाने नहीं देंगे।

एसडीएम एवं तहसीलदार नहीं कर पा रहे पीडितों की मदद

सैकड़ों किसानों की बोआई का रकबा गिरदावरी में बता रहा शून्य, कलेक्टर को बताई समस्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

चारामा विकासखंड के परसोदा के सैकड़ों की तदाद में कांकेर पहुँचे किसानों ने बताया कि परसोदा के सैकड़ो किसान की बोआई का रकबा गिरदावरी में शून्य बता रहा है। ऐसे में हम लोग धान नहीं बेच पाएंगे। परेशान किसानों ने कलेक्टर से मुलाकात कर समस्या के निदान की माँग किया।

परसोदा से कलेक्टोरेट पहुँचे किसानों ने बताया कि भुईया पोर्टल में बोआई का रकबा शून्य दिख रहा है, जिसके लिए किसानो द्वारा दावा आपतति दर्ज किया गया था। इसके बाद भी गिरदावरी में किसानों का बोआई रकबा नही दिख रहा है। हल्का पटवारी से पूछने पर पटवारी बता कहा रहा है कि कम्प्यूटर में फसल दर्ज नहीं हो पा रहा है। किसानों का कहना है राजस्व विभाग के अनुविभागीय अधिकारी को 24 अक्टूबर को चारामा तहसीलदार एवं आपके कार्यालय में आवेदन दिए थे, लेकिन 28 अक्टूबर तक गिरदावरी रकबा में बोआई रकबा शून्य दख रहा है। चारामा तहसीलदार और अनुविभागीय अधिकारियों के द्वारा मदद नहीं किए जाने पर हम लोग कलेक्टर को अपनी व्यथा बताने आएं है। किसानों का कहना था कि हम सभी कृषि कार्य से अपना जीवनयापन करते है। ऐसी स्थिति में किसान लोग अपना उपज धान को शासन के किसानों के लिए महत्वपूर्ण योजना समर्थन मूल्य पर धान बिक्री करने से वंचित हो जाएंगे, जिससे किसानो को बहुत अधिक आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ेगा। कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर को इस बारे में अवगत कराया गया है, उन्होने आश्वासन दिया है कि जल्द समस्या का निराकरण किया जाएगा।

ये पहुंचे कलेक्टोरेट

कांकेर पहुँचे किसानों में धीरज श्रीवास्तव, शैति बाई, भरत मंडावी, अजय, सरोज, युगल किशोर, भूपेश साहू, रामगोपाल साहू, शेखराज साहू, केशव, विरेंद्र कुमार, शिशुपाल, लेखराम, संतोष, थानसिंह साहू, लेखराम साहू, विनोद कुमार साहू, धनराज, नानक राम साहू, चंद्रिका बाई, उमेश्वरी, हेमीन देवी, चंद्रबति, रामेश्वर, रामआधार, कुंजन, चैतराम साहू, कुंजन, नरोत्तम, लीलाराम, भरोसा, सोनह राम साहू, गोविंद, रामरतन, आनंदराम, नंदलाल, दयानंद, फुलकुंवर, जागेश्वर, जीवन लाल, गुरूदयाल साहू, ताकेश, गिरधर, शिवबति, चंद्रदेव, कुंवरसिंग एवं अन्य शामिल रहे।

नाली में तब्दील हुई सड़क दुर्घटना का खतरा बढ़ा

पखांजुर। तहसील की ग्राम पंचायत पित्तेभोड़िया के आश्रित ग्राम पीवी 118 रतनपुर को चाणक्यपुरी धान खरीदी केंद्र और पखांजुर शहर से जोड़ने वाली मुख्य सड़क की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। लगभग दो किलोमीटर का यह महत्वपूर्ण मार्ग जगह-जगह गहरे गड्ढों के कारण अब नाली में तब्दील हो चुका है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन दूभर हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार इस खस्ताहाल मार्ग पर रोजाना छोटी-छोटी दुर्घटनाएं हो रही हैं। दोपहिया वाहन चालकों का फिसलना आम बात हो गई है। पैदल चलने वालों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीण इस बात से गहराई से चिंतित हैं कि यदि जल्द ही सड़क की मरम्मत नहीं हुई, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। धान खरीदी का सीजन अब नजदीक है। किसानों को मजबूरन इसी बदहाल ▶▶ शेष पेज 12 पर

प्राथमिकता से सुलझाएं समस्या

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से गुहार लगाई है कि वे उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर सड़क निर्माण का कार्य शुरू करें। ताकि धान खरीदी के दौरान किसानों की मुश्किलें कम हो सकें। संभावित बड़े हादसे को टाला जा सकें।

धनौरा में चार दिनों तक रही छठ पर्व की धूम

धनौरा। व्रती महिलाओं ने मंगलवार को सुबह उगती सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख- समृद्धि व लंबी आयु की कामना की। छठ पूजा का महापर्व 28 अक्टूबर को उषा अर्घ्य के साथ समाप्त हुआ।यह पर्व चार दिनों तक चलता है, जिसमें भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा की जाती है। व्रती डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं और उनकी कृपा और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। छठ पूजा परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की लंबी आयु के लिए किया जाता है। इस पर्व में व्रती अपने घरों की सफाई करते हैं, नए वस्त्र पहनते हैं, और भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए नदी या तालाब के किनारे जाते हैं। छठ पूजा का महत्व इस प्रकार है कि यह पर्व प्रकृति के महत्व को समझने और उसका सम्मान करने का अवसर प्रदान करता है।

व्रती महिलाओं ने सूर्य को अर्घ्य देकर मांगी परिवार की खुशहाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

आस्था और श्रद्धा के महापर्व छठ पूजा का रंग क्षेत्र में खूब देखने को मिला। मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने छठ महापर्व का व्रत पूरा किया। अपने परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की गई थी। इसके पहले सोमवार की शाम को पूरी भक्ति के साथ डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया था। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया है। क्षेत्र में सुबह से ही तालाबों और नदी किनारों पर पूजा की तैयारियां जोरों पर रहीं। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखते हुए शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा के लिए व्रतियों ने मौसमी फल, बांस की टोकरी, कच्ची हल्दी, अदरक और मिट्टी के दीपक खरीदे। घरों में पारंपरिक प्रसाद जैसे ठेकुआ, चावल और गुड़ से बने पकवान तैयार किए गए। पूजा के समय व्रती महिलाओं ने दीपक जलाकर बांस की टोकरी में पूजा सामग्री रखी और सूर्य देवता को अर्पित किया।

डूबते सूर्य को दिया गया पहला अर्घ्य

सोमवार की शाम जब सूर्य ढलने लगा, तब घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। घाटों पर पारंपरिक गीतों की गूंज और दीपों की रोशनी से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। महिलाएं जल में खड़ी होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दे रही थीं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रही थीं। कई परिवारों ने घाटों पर सामूहिक रूप से पूजा की व्यवस्था की थी।

खास बातें

- छठ महापर्व : नगर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया
- उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन किया गया

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर हुआ समापन

छठ पर्व का समापन मंगलवार की सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर किया गया। इस मौके पर व्रती महिलाएं अपने घरों में प्रसाद का वितरण करेंगी और सभी के साथ पर्व की खुशियां साझा की।

छठ व्रत का है बड़ा महत्व

स्थानीय निवासी सीमा जायसवाल, जो वर्षों से यह व्रत करती हैं ने बताया कि छठ पूजा सूर्य देवता और छठी मइया की आराधना का पर्व है। यह पर्व प्रकृति, जल, सूर्य और स्वच्छता के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक है। नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य इन चारों चरणों के साथ यह पर्व संपन्न होता है।

महिलाओं के अनुसार, छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मसंयम, पवित्रता और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह व्रत कठिन माना जाता है क्योंकि व्रती 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखते हैं और पूरी श्रद्धा से सूर्य देवता की उपासना करते हैं। वहीं फरसगांव की एक और व्रती महिला मुस्कान जायसवाल बताती हैं, छठ पूजा का पहला दिन नहाय-खाय होता है, जिसमें व्रती स्नान कर शुद्ध भोजन ग्रहण करते हैं।

दूसरे दिन खरना में गन्ने के रस और गुड़ से खीर बनाकर प्रसाद चढ़ाया जाता है। इसके बाद 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन उषा अर्घ्य देकर व्रत का समापन होता है।/"

पूजा से पहले घाटों पर हुई साफ सफाई

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस बार छठ पूजा में पहले की तुलना में अधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी रही। महिलाओं और पुरुषों ने मिलकर घाटों की सफाई की और पूजा स्थल को रंग-बिरंगी सजावट से सुसज्जित किया। फरसगांव के बरकई और सोनाबेड़ा नदियों में इस पर्व की रौनक देखते ही बन रही है। डूबते सूर्य की किरणों में खड़ी व्रती महिलाओं की आस्था और जल में झिलमिलाते दीपक का दृश्य हर किसी के मन को भा रहा था।

आस्था का पर्व, एकता का प्रतीक

छठ पूजा केवल पूजा-पाठ का पर्व नहीं, बल्कि यह समाज में एकता और सहयोग की भावना का प्रतीक भी है। सभी समुदायों के लोग मिलकर इस पर्व की तैयारी में सहयोग देते हैं। यही कारण है कि छठ पूजा आज न सिर्फ बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बल्कि देशभर में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। फरसगांव में इस पर्व की भव्यता यह दिखाती है कि समय कितना भी बदल जाए, लेकिन भारतीय परंपराओं की जड़ें आज भी उतनी ही मजबूत हैं। मंगलवार को जब उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पूजा सम्पन्न किया गया।

फरसगांव-पासंगी मार्ग पर पुल निर्माण कार्य शुरू, बनाया वैकल्पिक मार्ग

फरसगांव। फरसगांव से पासंगी मार्ग पर एक नया पुल निर्माण कार्य शुरू होने के कारण यातायात व्यवस्था में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। निर्माण कार्य के चलते इस मार्ग पर चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है।

- चारपहिया और भारी वाहनों की आवाजाही पर लगा प्रतिबंध

जिला प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। पासंगी और रांधना जाने वाले वाहन चालकों को चिचाड़ी या बोरगांव मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है। एसडीएम फरसगांव अश्वन पुसाम ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान आमजन की सुरक्षा प्राथमिकता में है, इसलिए लोगों से अपील की गई है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और कार्य में सहयोग प्रदान करें। पुल निर्माण पूरा होने के बाद आवागमन सुचारू रूप से बहाल कर दिया जाएगा।

गोपाष्टमी महोत्सव की तैयारी को लेकर चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गुकोंदल

ग्राम हाटकोंदल में गोपाष्टमी महोत्सव की तैयारियों के तहत ग्रामीणों ने मंगलवार को सफाई अभियान चलाया।

यादव समाज भवन से गुजरने वाली सड़कों की साफ-सफाई की गई और गाँव की गलियों तथा मुख्य मार्गों पर उगे घास और कचरे को हटाया गया। इस सामूहिक प्रयास से पूरा गाँव स्वच्छ और सुंदर दिख रहा है, जिससे गोपाष्टमी पर्व को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। समाज के लोगों ने स्वच्छता के प्रति जागरुकता का संदेश देते हुए बताया कि गोपाष्टमी महोत्सव धार्मिक आस्था का भी प्रतीक है।

शोभायात्रा निकाल कर कलार समाज ने मनाई भगवान राजराजेश्वर अर्जुन जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

क्षेत्र के कलार समाज द्वारा मंगलवार को ब्लॉक मुख्यालय के जनपद स्कूल मैदान में भगवान राज राजेश्वर सहस्त्र बाहु अर्जुन की जयंती धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि नीलकंठ टेकाम विधायक केशकाल शामिल हुए। सर्वप्रथम समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। जिसके बाद समाज के सभी महिला, पुरुष और बच्चों द्वारा नगर में भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर के मुख्य चौक चौराहे से होते हुए वापस कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा। भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु की पूजा अर्चना कर जयंती की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि नीलकंठ टेकाम विधायक केशकाल ने भगवान राजराजेश्वर अर्जुन की जयंती के अवसर पर कलार समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपका समाज एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने समाज में एकजुटता पर जोर दिया और कहा कि कलार समाज को अपने हितों के लिए एक संयुक्त रूप में काम करना चाहिए। समाज की एकता, शिक्षा और युवा सशक्तिकरण पर अपने प्रेरणादायक विचार साझा किए। समाज को सौगात देते हुए विधायक टेकाम ने पिछले वर्ष घोषणा किया हुआ सामाजिक भवन को प्रोसेस में होना बताया।

- विधायक ने समाज की एकजुटता पर दिया जोर

बीमारियों के प्रति जागरुकता व प्रबंधन में दक्षता जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

लेप्रा सोसायटी और अजीम प्रेम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन के सहयोग से पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बकावंड में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों को कुष्ठ रोग, मलेरिया, फाइलेरिया, टीबी, जेई, सिकल सेल और स्केबीज जैसी सात बीमारियों के उपचार और प्रबंधन में दक्ष बनाना है। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता सीएचडब्ल्यू, पर्यवेक्षक और स्टाफ नर्सों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. वीके ठाकुर जिला कुष्ठ अधिकारी, बकावंड बीएमओ, लेप्रा सोसायटी से डॉ. ख्याति रेड्डी और शक्ति परियोजना के कार्यक्रम अधिकारी एनएन साहू द्वारा किया गया। इस अवसर पर लेप्रा सोसायटी के अन्य कर्मचारी उमेश पटेल वित्त अधिकारी, ईशा पांडेय संचार एवं प्रलेखन अधिकारी और डॉ. महीपाल मुंडा चिकित्सक भी उपस्थित थे। डॉ. ठाकुर ने कहा कि इन बीमारियों के प्रति जागरूकता और उनके प्रबंधन में दक्षता बहुत जरूरी है।

दुर्गुकोंदल में आज होगा बस्तर ओलंपिक 2025 का शुभारंभ

दुर्गुकोंदल। पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करते हुए बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित बस्तर ओलंपिक 2025 का विकासखण्ड स्तरीय आयोजन 29 अक्टूबर से प्रारंभ होने जा रहा है। खुंटगांव स्थित उन्मुक्त खेल मैदान में होने वाले इस आयोजन के लिए प्रशासन एवं जनपद पंचायत स्तर पर सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रम को सफल, सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली बनाने के लिए विभिन्न विभागों एवं समितियों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुरेंद्र बंजारे ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचान देना, उन्हें जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर अवसर प्रदान करना तथा युवाओं में स्वास्थ्य, अनुशासन और टीम स्पिरिट को विकसित करना है। बस्तर अंचल में सदियों से खेले जाने वाले पारंपरिक खेलों के संरक्षण को भी इस आयोजन से नया आयाम मिलेगा। उद्घाटन समारोह 29 अक्टूबर को प्रातः 10. 00 बजे आयोजित होगा। प्रतियोगिता में शामिल प्रमुख खेल कबड्डी पुरुष/महिला, खो-खो, तीरंदाजी पारंपरिक, रस्साकसी, गेंड़ी दौड़, फट्टा खाई, बिलाशाही, मटका फोड़, लंबी कूद, 100 एवं 200 मीटर दौड़, फुटबॉल, वॉलीबॉल, लंगड़ी, हाथगीरी कुश्ती शैली आदि। इन खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ी स्थानीय स्कूलों, ग्राम खेल क्लबों तथा जनपद स्तरीय खेल मंडलों के माध्यम से चयनित किए जाएंगे। प्रतियोगिताओं के संचालन के लिए निर्णायक दल, तकनीकी दल और खेल प्रबंधक नियुक्त किए गए हैं। समापन समारोह 31 अक्टूबर को शाम 4 बजे आयोजित होगा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति, पारंपरिक वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन, मांदर की थाप, गौर एवं रेला नृत्य भी शामिल रहेंगे, जिससे आयोजन में बस्तर की सांस्कृतिक छटा देखते ही बनेगी।

नेटवर्क की लचर व्यवस्था से त्रस्त बीएसएनएल की ओर कर रहे वापसी

पखांजूर। एक तरफ देश में 5जी क्रांति और डिजिटल इंडिया की बात हो रही है, वहीं दूसरी तरफ हजारों उपभोक्ता नेटवर्क की लचर व्यवस्था से त्रस्त हैं। विशेषकर एक कंपनी के नेटवर्क की खराब गुणवत्ता ने उपभोक्ताओं का भरोसा तोड़ दिया है। जिसके चलते बड़ी संख्या में ग्रामीण अब अपने सिम को वापस सरकारी कंपनी बीएसएनएल में पोर्ट कराने को मजबूर हो रहे हैं। अंदरूनी क्षेत्र में कंपनी का टावर नहीं लगाए जाने के कारण यहां के निवासियों को भारी नेटवर्क समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले हजारों की संख्या में उपभोक्ताओं ने बीएसएनएल को छोड़कर तेज और सस्ते इंटरनेट की उम्मीद में जियो को अपनाया था, लेकिन अब उन्हें निराशा ही हाथ लगी है। सिग्नल की अस्थिरता और इंटरनेट की धीमी गति से ऑनलाइन काम, बच्चों की पढ़ाई और डिजिटल लेनदेन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में लगातार बाधा आ रही है। स्थानीय निवाशी, विश्वनाथ दास, राजेश दास, मनोज, कुमारेश, का कहना है कि नेटवर्क की समस्या इतनी गंभीर है कि एक कॉल करने के लिए भी उन्हें गांव में ऊंची जगहों या घरों से बाहर भटकना पड़ता है। डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन फॉर्म भरने जैसे काम लगभग असंभव हैं। एक ग्रामीण ने बताया लगातार मिल रही शिकायतें और नेटवर्क से उपजी रोजमर्रा की परेशानियों ने उपभोक्ताओं को मजबूर कर दिया है कि वे अब नेटवर्क के प्रति अपना भरोसा खत्म कर दें और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए दोबारा बीएसएनएल की शरण लें। सिम पोर्ट कराने की बढ़ती संख्या ग्रामीण उपभोक्ताओं की इस मजबूरी को साफ दर्शाती है। ग्रामीणों ने एक स्वर में मांग की है कि कंपनी और प्रशासन इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान दें। ग्राम पंचायत में जल्द से जल्द एक नया जियो टावर स्थापित किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को बेहतर नेटवर्क सेवा मिल सके और डिजिटल इंडिया का लाभ इन ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पहुंच सके।

पेज 11 के शेष

बस्तर ओलंपिक से...

स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा दी जा चुकी है। स्थानीय लोगों की मांग पर उन्होंने गोविंदपुर के खेल मैदान में शेड निर्माण के लिए 25 लाख रूपए की घोषणा किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री के द्वारा राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

जंगलों से पेड़ों...

एवं पंचायतों में निर्माण कार्य स्वीकृति मिला है। जिसके निर्माण में बांस की आवश्यकता होती है, गोंडाहूर क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ है जिसके चलते वन माफिया सक्रिय है। तस्कर ग्रामीण क्षेत्र से सौदा करके लकड़ी देते है, फिर उसकी कटाई का कार्य अवैध ढंग से हो रहा है।

झिटकाटोला में रोजगार...

बंद कर आंदोलन को और उग्र रूप देंगे। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने लंबे समय तक शांतिपूर्वक समाधान की प्रतीक्षा की, लेकिन अब धैर्य की सीमा समाप्त हो चुकी है।

नाली में तब्दील...

रास्ते से होकर चाणक्यपुरी स्थित धान खरीदी केंद्र तक अपना अनाज

ले जाना पड़ता है। सड़क की बदहाली इतनी है कि हल्की बारिश में ही यह कीचड़ और पानी से भर जाती है। सड़क पर बने गड्ढे अब इतने गहरे हो गए हैं कि नालों का रूप ले चुके हैं। स्थानीय ग्रामीण मनोज दास, गोपाल ब्रह्मचारी, राजू नेताम, बनकेश मंडल, राजेश, आशीष समेत बड़ी संख्या में लोगों ने इस महत्वपूर्ण मार्ग की तत्काल मरम्मत कराने और इसे पक्की सड़क में बदलने की मांग किया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क कई गांवों के लिए जीवन रेखा है।

दरभा क्षेत्र में लिथियम से भरपूर पेगमाटाइट्स मिले

जगदलपुर। बस्तर जिले के आसपास के कुछ हिस्सों में लिथियम से भरपूर पेगमाटाइट्स पाए गए हैं, यह एक शोध है, खनन नहीं हुआ है। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार यहां 50 हजार टन से अधिक लेपिडोलाइट मौजूद हो सकता है, जिसमें लिथियम की मात्रा लगभग एक फीसदी से 1.85 फीसदी तक है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भी मध्य भारत में इन लिथियम-समृद्ध क्षेत्रों की पहचान की है।

SHRI KHATU SHYAM JYOTISH

15 वर्षों से आपकी सेवा में

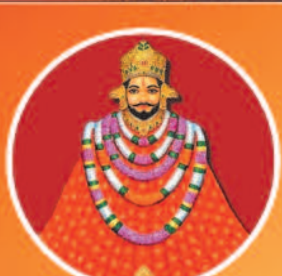

जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

पं. रविकांत शर्मा / पं. एस. के. शास्त्री

हर मुश्किल से मुश्किल समस्या का समाधान
"ज्योतिष मेरा काम नहीं, मेरी साधना है"
"जब कहीं ना हो काम, तो हमसे ले समाधान"

ऑफिस आने पर मात्र ₹101/- फोन से परामर्श केवल ₹251/-

व्यापार बढ़ोतरी, किया कराया,
शादी के लिए माता-पिता को मनाना

जब कही ना हों काम, तो हमसे ले समाधान

पं. एस. के. शास्त्री
जन्मकुण्डली विशेषज्ञ

जन्म पत्रिका बनाई जाती है

- नवग्रह आदि समस्त प्रकार के ज्योतिष समाधान
- व्यापार, विवाह, नौकरी में प्रमोशन
- मकान - संतान योग
- दुकान, बच्चो के कैरियर मार्गदर्शन
- कालसर्प दोष निवारण
- प्रेम विवाह, मोहनी
- मांगलिक दोष निवारण

बुकिंग के लिए संपर्क करें : +91 7470674060

असुविधा से बचने के लिए आपॉइंटमेंट लेकर ही मिलें

नोट : मिलने के लिए अपॉइंटमेंट लेना आवश्यक है। मिलने का समय : सुबह 9 से शाम 7 बजे तक

पोलसाय पारा चौक के पास, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क सूत्र :- पं. रविकांत शर्मा एवं पं. एस. के. शास्त्री : +919755964567

खबर संक्षेप

मूलभूत कार्यों के लिए ग्राम पंचायतों को राशि हुई जारी

कांकेर। जिले की ग्राम पंचायतों को मूलभूत कार्यों के लिए अनुदान मद अंतर्गत प्रथम किश्त की राशि 04 करोड़ 26 लाख 03 हजार जारी किया गया। जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने बताया कि अंतागढ़ जनपद पंचायत की 56 ग्राम पंचायतों के लिए 49 लाख 93 हजार 738 रूपए, भानुप्रतापपुर की 52 ग्राम पंचायतों के लिए 53 लाख 72 हजार 892 रूपए की राशि जारी की गई है। चारामा की 64 ग्राम पंचायतों के लिए 57 लाख 02 हजार 992 रूपए, दुर्गुकोंदल की 44 ग्राम पंचायतों को 43 लाख 53 हजार 590 रूपए, कांकेर विकासखण्ड की 64 ग्राम पंचायतों के लिए 56 लाख 27 हजार 179 रूपए, कोयलीबेड़ा की 103 ग्राम पंचायतों के लिए 99 लाख 58 हजार 150 रूपए और जनपद पंचायत नरहरपुर की 71 ग्राम पंचायतों के लिए 65 लाख 94 हजार 459 रूपए की राशि जारी की गई है।

ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलंपिक की तैयारी को लेकर हुई बैठक

पखांजुर। तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलंपिक का आयोजन 30 अक्टूबर से पखांजुर में शुरू हो रहा है। इसका उद्देश्य बस्तर संभाग के जनजाति बहुल क्षेत्र में पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना, युवाओं की नैसर्गिक खेल क्षमताओं का विकास करना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। यह प्रतियोगिता 1 नवंबर तक चलेगी और इसके मुकाबले नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम और शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, पखांजुर में खेले जाएंगे। बैठक में जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा के डीओ एसपी बैध, व्यायाम शिक्षक शंभू साहा, जगत राम ध्रुव, संतोष साहा, राम शरण वैष्णव, सोमारी मंडावी, देवेंद्र गौर, शोभन बेनर्जी, चंचला सिंहा, श्रद्धा टांडेकर, शिक्षक भोला प्रसाद ठाकुर, कृष्णेन्दु आईच समेत अन्य विभागों के अनेक अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

नाबालिग ने फांसी लगाकर दी जान, कारण अज्ञात

कांकेर। अंतागढ़ थानांतर्गत आंचलापारा फुनगांव निवासी 14 वर्षीय सविता आंचला ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। फुनगांव निवासी 38 वर्षीय शोभी राम आंचला ने पुलिस को बताया कि 27 अक्टूबर को सुबह 8 से शाम 4 बजे के बीच मृतिका ने घर के म्यार में साड़ी का फंदाबनाकर फांसी लगा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। नाबालिग लड़की ने फांसी किस वजह से लगाया यह अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

घोटियावाही के कोचिया से अंग्रेजी शराब बरामद

कांकेर। दुधाव पुलिस ने छापामार कार्रवाई करते हुए 28 अक्टूबर को सुबह साढ़े 9 बजे आरोपी घोटियावाही निवासी 54 वर्षीय रजलाल वट्टी पिता स्व. श्यामलाल के घर दबिश दी। आरोपी के घर की तालाशी लेने पर घर परछी में एक कपड़ा का थैला में रखा हुआ 16 नग जम्मू स्पेशल व्हिस्की शराब कीमती 1 हजार 920 रूपए, 4 नग मैक डावल्स नंबर वन व्हिस्की कीमती 760 हजार रूपए, 6 बेग पाइपर डिलक्स प्रीमियम व्हिस्की कीमती 1 हजार 140 रुपए नकद 400 रुपए को जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपी रजलाल के खिलाफ धारा 34 (1) (क) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन शक्ति, नीति, पराक्रम और संगठन के प्रतीक

समाज का इतिहास परिश्रम, आत्मसम्मान और सामाजिक एकताः भरत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| धनेलीकन्हार

विकासखण्ड कांकेर के बाबुदबेना में कलार समाज बस्तर संभाग क्षेत्र कापसी के द्वारा अपने ईष्टदेव भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जंयती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना के साथ किया गया। समाज की नन्ही सी गुड़िया फाल्गुनी जैन ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

अतिथि की आसंदी से मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा ने कहा कि सहस्त्रबाहु अर्जुन केवल हमारे ईष्टदेव नहीं, बल्कि शक्ति, नीति, पराक्रम और संगठन के प्रतीक हैं। उनका नाम ही हमें प्रेरित करता है की वह शक्ति जो सहस्त्र हाथों से समाज की रक्षा और सेवा करने की क्षमता रखती है। कलार समाज का इतिहास परिश्रम, आत्मसम्मान और सामाजिक एकता का रहा है। इस समाज ने शिक्षा, व्यापार, संस्कृति और सेवा के क्षेत्र में सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है। आज आवश्यकता है कि हम उस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अपने बच्चों को शिक्षित करें, युवाओं को आत्मनिर्भर बनाएं और समाज को संगठित रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाज के जिला अध्यक्ष लोकेश जैन ने समाज के लोगों को नशे से दूर रखने का आव्हान किया गया। संभागीय अध्यक्ष कमल किशोर सिन्हा ने अपने विचार रखे।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान चरण सिंहा, कमलेश नाग, पुरुषोत्तम जैन, रुपेश्वर जैन, बृजलाल जैन, साहू समाज परिक्षैत्र अध्यक्ष खेमन साहू, सुनिल प्रयाग, सरपंच ग्राम कापसी सुमित नरेटी, सहदेव साहू व अन्य लोग उपस्थित रहे।

आयोजन : टहकापार से कई पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

गोंड महासभा : केंद्रीय कार्यकारिणी का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सरोना

केंद्रीय गोंड महासभा धमधा गढ़ की कार्यकारिणी गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय अध्यक्ष पद के निर्वाचन उपरांत महासभा की केंद्रीय बायलाज-नियमावली की कंडिका 12 के अनुसार केंद्रीय कार्यकारिणी के विभिन्न पदों की पूर्ति की गई।

कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के जिलाध्यक्षों की उपस्थिति में केंद्रीय बॉडी का गठन किया गया, जिसमें केंद्र के सात प्रमुख पदों के अलावा अन्य सहायक पदों पर भी चयन प्रक्रिया पूर्ण की गई। प्रत्येक जिले से महिला, पुरुष एवं युवा प्रभाग के लिए प्रतिनिधियों का चयन जिला वाइस अध्यक्षों द्वारा किया गया। चयन उपरांत सभी पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया और केंद्रीय कार्यकारिणी का औपचारिक गठन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय गोंड महासभा धमधा गढ़ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों में आदिवासी ध्रुव गोंड समाज के अध्यक्ष परम राजेंद्र ध्रुव को केंद्रीय सलाहकार एवं प्रवक्ता के रूप में मनोनीत किया गया। इसके साथ ही जिला कार्यालय टहकापार से आसकरन ध्रुव, जिला महासचिव को केंद्रीय सदस्य बनाया गया।\

महिला प्रभाग से निर्मला नेताम, जिला संरक्षक को केंद्रीय सदस्य पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। युवा मंडल प्रभाग से जिला कार्यालय टंहकापार के जिला सचिव प्रशांत मंडावी एवं प्रभु मंडावी को केंद्रीय स्तर पर युवा मंडल पद की जिम्मेदारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान और समाज के पारंपरिक नारों के साथ हुआ, जिसमें एकता और संगठन की भावना झलकती रही।

इस अवसर पर महासभा टंहकापार से बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से शिवप्रसाद नेताम, जिला कोषाध्यक्ष विजय मंडावी, जिला सह सचिव मनोज ध्रुव, पूर्व जिला अध्यक्ष युवा प्रभाग कांकेर राजेंद्र ओटी, जिला कार्यकारिणी सदस्य अघन सिंह मरकाम, जिला कार्यकारिणी सदस्य बलराम मंडावी, तहसील अध्यक्ष कांकेर रविशंकर नेताम, तहसील उपाध्यक्ष गोवर्धन कोर्राम, तहसील अध्यक्ष रातु राम नेताम, क्षेत्र अध्यक्ष कांकेर कृष्ण कुमार नेताम, क्षेत्र अध्यक्ष मावलीपारा दुलार सिंह मरकाम, क्षेत्रीय सचिव मावलीपारा गेंदूराम मंडावी, संरक्षक मावलीपारा चंद्रभान मंडावी, संचालक आरती मरकाम, महिला प्रभाग जगदीश नेताम, क्षेत्र अध्यक्ष गिरहोला महेन्द्र कोर्राम, क्षेत्र अध्यक्ष फारसकोट रामकृष्ण नेताम, क्षेत्र अध्यक्ष भानुप्रतापपुर; कमलेश मंडावी, उपाध्यक्ष भानुप्रतापपुर; रामसाय कुंजम, क्षेत्र अध्यक्ष भांनबेड़ा, कृष्ण सेवता, तहसील अध्यक्ष कांकेर सुरेखा उईके, महिला प्रभाग मावलीपारा गोमती मंडावी, महिला प्रभाग मावलीपारा; तथा राजू नागेश, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मावलीपारा उपस्थित रहे।

सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती पर कलश यात्रा व पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ▸▸| दुर्गुकोंदल

विकासखंड दुर्गुकोंदल अंतर्गत कलार समाज द्वारा समाज के वीर व पूर्वज सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

समाज के अध्यक्ष जागेश्वर जैन एवं संरक्षक चिंताराम जैन के नेतृत्व में कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई, वहीं कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा नागवंशी ने बताया कि जयंती का आयोजन समाज की एकता, सांस्कृतिक धरोहर एवं परंपराओं के संरक्षण का प्रतीक है। दुर्गुकोंदल एवं आसपास के क्षेत्रों सुरुगदोह के अंतर्गत धनवाफूलचुर, कोड़े कुसी क्षेत्र के खेडेगांव, पेडावारी क्षेत्र के बरगांव, हाटकोंदल सहित अन्य स्थानों में सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। प्रत्येक स्थान पर सुबह से ही समाज के सदस्यों द्वारा कलश यात्रा, सांस्कृतिक झांकियों, लोक कला मंच की प्रस्तुतियों एवं पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। महिलाओं, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान समाज के वक्ताओं ने सहस्त्रबाहु अर्जुन की पराक्रम, संगठन क्षमता, धर्म रक्षा और समाज उन्नयन में दिए गए योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि उनकी जीवनगाथा समाज को साहस, निष्ठा, परोपकार एवं एकता का संदेश देती है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जैनी बाई जैन, करीना जैन, अनूप दीवान, शांतिलाल जैन, खिलेश्वरी जैन सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर सहस्त्रबाहु अर्जुन जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में स्थानीय युवाओं एवं महिला मंडलों की विशेष भूमिका रही। आयोजन समिति ने उपस्थित समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी समाज के हित व सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का आव्हान किया।

कैंसर पीड़ित युवक तिलेंद्र को ग्रामीण साहू समाज ने पहुंचाई आर्थिक मदद

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बासनवाही

सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए ग्रामीण साहू समाज मावलीपारा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पीड़ित युवक तिलेंद्र साहू को आर्थिक सहयोग राशि प्रदान किया।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि साहू समाज सदैव जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहता है। किसी भी सदस्य या परिवार पर संकट आने पर समाज एकजुट होकर मदद के लिए आगे आता है। उन्होंने बताया कि तिलेंद्र साहू गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं, जिनके उपचार में भारी आर्थिक खर्च हो रहा है। ऐसे कठिन समय में समाज ने एकजुट होकर सहयोग राशि देकर उनके परिवार को संबल प्रदान किया है। कार्यक्रम में भूपेंद्र साहू अध्यक्ष, ग्रामीण साहू समाज मावलीपारा टीकाराम साहू उपाध्यक्ष ओंकार साहू कोषाध्यक्ष, त्रिभुवन साहू सलाहकार, परिक्षेत्रीय साहू समाज मावलीपारा, दशरथ साहू, चुम्मन साहू परिक्षेत्रीय कोषाध्यक्ष, गैन्दू राम साहू, लक्ष्मीनाथ साहू, भानु राम साहू, सुनील साहू व अन्य उपस्थित रहे।

स्कूल जतन योजना में किया गया करोड़ों का भ्रष्टाचार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भानुप्रतापपुर

आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व आदिवासी नेता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि स्कूल जतन योजना के अंतर्गत हुए करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार पर प्रदेश सरकार की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।

मामले को लेकर प्रदेश सरकार गंभीर नहीं - कोमल हुपेण्डी

आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेण्डी ने आरोप लगाया कि स्कूल भवनों की मरम्मत के नाम पर निकली करोड़ों की राशि न सिर्फ दुर्गुकोंदल ब्लॉक, बल्कि पूरे जिले में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय इस योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गई और अब वर्तमान सरकार जांच के नाम पर केवल औपचारिकता निभा रही है। पूर्व सरकार में हुए शराब घोटाले को लेकर विष्णुदेव साय सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश की, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में हुए घोटाले पर वह उतनी गंभीरता क्यों नहीं दिखा रही है। आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल में विधायकों और अधिकारियों की मिलीभगत से स्कूल मरम्मत के नाम पर खुलेआम बंदरबांट हुआ। पूर्व सरकार के समय भी इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी, लेकिन उसे दबा दिया गया। अब दुर्गुकोंदल ब्लॉक के जागरूक युवा इस मुद्दे को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं, परंतु सरकार उनकी मांगों को अनसुना कर रही है। युवाओं को भ्रष्टाचार के खिलाफ अर्धनग्न प्रदर्शन तक करना पड़ा, फिर भी सरकार संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है। यह संदेह पैदा करता है कि सरकार किसी को बचा रही है। चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ही कांकेर जिले के सभी विकासखंडों में स्कूल जतन योजना की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच नहीं कराई, तो वे सैकड़ों युवाओं के साथ कांकेर से रायपुर तक पदयात्रा करेंगे। मुख्यमंत्री निवास के सामने बैठकर आंदोलन की अगली रणनीति तय करेंगे।

फितेफूलचुर में देवउठनी एकादशी व तुलसी पूजा की तैयारी जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| दुर्गुकोंदल

विकासखंड दुर्गुकोंदल के अंतर्गत ग्राम पंचायत गुदुम के आश्रित ग्राम फितेफूलचुर में इस वर्ष भी सोनझरिया परिवार द्वारा देवउठनी एकादशी एवं तुलसी पूजा का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ किया जा रहा है। इस वर्ष यह पावन पर्व 1 नवंबर शनिवार की रात्रि को मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशेष पंचमी देव कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है, जिसकी तैयारियाँ जोरों पर चल रही हैं।

- विशेष पंचमी देव कार्यक्रम का होगा आयोजन

सोनझरिया परिवार के बरतुराम मडावी, डोमन मडावी, पुजारी चतुर नेताम, पवन नेताम एवं जय गुरुदेव ऋषि पंचमी परिवार के सभी सदस्य इस धार्मिक आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी परिवार ने इस पर्व को भव्य रूप में मनाने की योजना बनाई है, जिसमें आसपास के ग्रामों के साथ-साथ कांकेर, अड़ी, धमतरी, जगदलपुर, उड़ीसा और बड़गांव से भी श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। कार्यक्रम की शुरुआत संध्या आरती और तुलसी पूजन से होगी, जिसके बाद भजन-संकीर्तन, आराधना और सामूहिक प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य धार्मिक एकता, भक्ति और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। पूजा की तैयारी में राकेश कुमार, राजेश नेताम, सियाराम दुर्गू, जगदीश जगलू, कार्तिक उइके, हजारी मडावी, हीरालाल, राजेंद्र जैन, लाल हेमलाल नेताम, दनासू, शंकर सखाराम नेताम, जागेश्वर सहित अनेक सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। पूरा गाँव साफ-सफाई, सजावट और धार्मिक वातावरण से गूंज उठा है। पुजारी चतुर नेताम ने बताया कि देवउठनी एकादशी का पर्व भगवान विष्णु के चार महीने के शयन के बाद जागरण उठने के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन से विवाह, मांगलिक एवं धार्मिक आयोजनों की पुनः शुरुआत मानी जाती है। तुलसी माता और भगवान विष्णु का विवाह तुलसी विवाह इस दिन का प्रमुख आकर्षण रहता है।

सोनझरिया परिवार द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम पिछले कई वर्षों से ग्राम फितेफूलचुर की धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। ग्रामीण और श्रद्धालु इसे न केवल पूजा के रूप में, बल्कि सामूहिक भक्ति और भाईचारे के उत्सव के रूप में देखते हैं। ग्राम के बुजुर्गों ने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र में सद्भावना और श्रद्धा का प्रतीक बन चुका है। आगामी 1 नवंबर की रात्रि को होने वाले देवउठनी एकादशी तुलसी पूजन कार्यक्रम को लेकर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल बना हुआ है।

अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

जगदलपुर। केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरुकता सप्ताह के तहत कलेक्टोरेट में अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा देश की आर्थिक-सामाजिक विकास की दिशा में सत्यनिष्ठा के साथ अनवरत दायित्व निर्वहन करने की शपथ ली गई।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, केमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

निजी सर्वेयरों से कराया गया, आईं गड़बड़ियां सामने

धान गिरदावरी में त्रुटियों के निराकरण को लेकर पटवारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| दुर्गुकोंदल

- किसानों को हो सकता है नुकसान

राजस्व पटवारी संघ दुर्गुकोंदल द्वारा धान फसल गिरदावरी में हुई विभिन्न त्रुटियों के त्वरित निराकरण की मांग को लेकर आज कलेक्टर के नाम ज्ञापन तहसीलदार दुर्गुकोंदल को सौंपा। ज्ञापन में जिला कार्यकारिणी एवं तहसील कार्यकारिणी ने बताया कि इस वर्ष फसल गिरदावरी निजी सर्वेयरों द्वारा कराई गई, जिसमें अनेक गंभीर त्रुटियाँ सामने आई हैं। इन त्रुटियों के कारण क्षेत्र के किसान धान खरीदी प्रक्रिया से वंचित हो सकते हैं, जिससे सीधा आर्थिक नुकसान होने की स्थिति बन रही है।

ज्ञापन में बताया गया कि कई खसरा नंबरों में रकबा शून्य प्रदर्शित किया गया है, जबकि वास्तविक रूप से उन खेतों में धान की फसल बोई गई है। इसके अलावा कई स्थानों पर धान को बासमती श्रेणी में दर्ज कर दिया गया है, जबकि किसान सामान्य धान की खेती कर रहे हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि भुईयाँ प्रणाली में इन त्रुटियों को सुधारने का विकल्प पटवारी आईडी पर उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण बिना सुधार के किसान धान बेच नहीं सकेंगे। पटवारी संघ ने यह भी बताया कि निजी सर्वेयरों द्वारा मुख्य रूप से धान फसल का ही आंकलन किया गया, जबकि दलहन, तिलहन, सब्जी सहित अन्य फसलों का डेटा दर्ज ही नहीं किया गया है। इससे जिले और प्रदेश की कुल फसल उत्पादन गणना अधूरी और भ्रामक साबित होगी। संघ ने मांग रखी कि भुईयाँ में गिरदावरी सुधार का अधिकार पटवारी आईडी पर तत्काल प्रभाव से पुनः उपलब्ध कराया जाए, ताकि सही रिकॉर्ड अपडेट किया जा सके। वर्तमान समय में पटवारियों पर एकाधिक विभागीय कार्यों का बोझ है तथा उन्हें धान खरीदी केन्द्रों में ड्यूटी पर भी लगाया जा रहा है, जो राजस्व कार्य की गति को प्रभावित कर रहा है। संघ ने मांग की कि पटवारियों को अन्य विभागीय कार्यों से मुक्त कर मूल राजस्व कार्यों के सुचारू संचालन हेतु उचित व्यवस्था की जाए।

ज्ञापन सौपने के दौरान तहसील अध्यक्ष सोमेश्वर हुपेन्डी, जिला अध्यक्ष जय कश्यप, तुकेश्वर भुआर्य, धनराज नेताम, युगल किशोर भंडारी एवं अन्य पटवारीगण उपस्थित रहे।

online Booking:-www.tripuryatra.com

बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
स्पेशल ट्रेन से - 20 दिसंबर से 30 दिसंबर 2025 (11 दिन)
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरूपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी,
राशि :- स्लीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:-7354 411411